DELHI PUBLIC SCHOOL, CHANDIGARH

Summative Assessment-I (2014-15)
Class : IX, Subject : Hindi (Sample Paper)

समय – 3 घंटे पूर्णांक – 90

निर्देश :–

(1) इस प्रष्न पत्र के चार खंड हैं–क, ख, ग और घं

(2) चारों खंडों के प्रष्नों के उत्तर देना अनिवार्य हैं

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमषः दीजिएं

[kM&d

प्र०1 निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर छाँटकर लिखिए :– (5)

पृथ्वी के समस्त मनुश्यों की जाति एक ही है– मनुश्य जातिं मानव का मानव से न कोई भेद होता है, न हो सकता हैं प्रारंभ में मानव में किसी प्रकार की भेद–भावना नहीं थीं स्वयं मानव ने पारस्परिक भेद की रचना की हैं दुनिया के तमाम झगड़ों की जड़ में यही स्वार्थ भावना है, जिससे अपने पराए बन जाते हैं गौतम बुद्ध, ईसा मसीह, मुहम्मद, चैतन्य, नानक आदि महापुरुशों ने संसार में षांति व्यवस्था एवं सद्भावना के प्रसार के लिए धर्म के माध्यम से मनुश्य को परम कल्याण के पथ का निर्देष किया, किंतु बाद में यही धर्म मनुश्य के हाथ में एक अस्त्र बन गया धर्म के नाम पर खून बहा, झगड़े बढ़े मनुश्य जाति विपन्न हो गई पर धीरे–धीरे विज्ञान की प्रगति के साथ–साथ संचार के साधनों में अभूतपूर्व उन्नति हुई और देषों में दूरियाँ कम हुईं फिर भी कभी नस्ल, कभी रंग, कभी वर्ण, कभी जाति, कभी धर्म के नाम पर कुछ लोग बर्बरतापूर्ण व्यवहार करते हैं भेदभाव के इस कलंक को मिटाना होगा अपेक्षा है, षिक्षा के प्रसार की षिक्षा मानवीय मूल्यों के महत्त्व के प्रति जागरुकता उत्पन्न करने का एकमात्र साधन हैं इससे हम अपने आपको सब प्रकार की संकीर्णता के कलुश से मुक्त करके अपनी दृश्टि को निर्मल और विस्तीर्ण बना सकते हैं

1) मानव में पारस्परिक भेद की रचना किसने की ?
   क) प्रकृति ने ख) जीव– जंतुओं ने
   ग) स्वयं मानव ने घ) ईष्वर ने

2) दुनिया के तमाम झगड़ों की जड़ क्या है ?
   क) अधिक सुख–सुविधाएँ ख) लालची प्रवृत्ति
   ग) मनुश्य में स्वार्थ भावना घ) अधिक धन–दौलत

3) महापुरुशों ने मनुश्य को कल्याण के पथ का निर्देष क्यों दिया ?
   क) लोगों की आय बढ़ाने के लिए
   ख) संसार में सुख–सुविधाएँ बढ़ाने के लिए
   ग) षिक्षा का स्तर बढ़ाने के लिए
   घ) संसार में षांति एवं सद्भावना के प्रसार के लिए

4) देशों में दूरियाँ कैसे कम हुईं ?

क) संचार के साधनों के विकास से

ख) शिक्षा उसके प्रसार से

ग) विज्ञान व संचार के साधनों के विकास से

घ) धर्म के प्रसार से

5) आज किस बात की अपेक्षा है ?

क) विज्ञान के क्षेत्र में उन्नति करने की

ख) धर्म के प्रचार की

ग) शिक्षा के प्रसार की

घ) धन अर्जित करने की

प्र०2 निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर छाँटकर लिखिए :– (5)

विविध धर्म एक ही जगह पहुँचाने वाले अलग–अलग रास्ते हैं एक ही ज़गह पहुँचने के लिए हम अलग–अलग रास्तों से चलें तो इसमें कोई बड़ी बात नहीं सच पूछो तो जितने मनुश्य हैं, उतने ही धर्म भी हैं हमें सभी धर्मों के प्रति समभाव रखना चाहिए इससे अपने धर्म के प्रति उदासीनता आती हो, ऐसी बात नहीं, बल्कि अपने धर्म पर जो प्रेम है उसकी अंधता मिटती है इस तरह वह प्रेम ज्ञानवान और ज्यादा सात्विक तथा निर्मल बनता हैं बापू इस विश्वास से सहमत नहीं थे कि पृथ्वी पर एक धर्म हो सकता है या होगा इसलिए वे विविध धर्मों में पाया जाने वाला तत्त्व खोजने की और इस बात को पैदा करने की कोशिश कर रहे थे कि विविध धर्मावलंबी एक दूसरे के प्रति सहिश्णुता का भाव रखें उनकी सहमति थी कि संसार के धर्म ग्रंथों को सहानुभूतिपूर्वक पढ़ना प्रत्येक सभ्य पुरुश और स्त्री का कर्तव्य हैं अगर हमें दूसरे धर्मों का वैसा आदर करना है जैसा हम उनसे अपने धर्म का कराना चाहते हैं तो संसार के सभी धर्मों का आदरपूर्वक अध्ययन करना हमारा एक पवित्र कर्म हो जाता हैं

1) गद्यांश में कुल कितने धर्म बताए गए हैं ?

क) चार

ख) पाँच

ग) जितने देश हैं उतने धर्म

घ) जितने लोग हैं उतने धर्म

2) अपने धर्म के प्रति जो अंधता है वह कैसे मिटती है ?

क) अन्य धर्म स्वीकार करने पर

ख) सभी धर्मों के प्रति समान भाव रखने पर

ग) धर्म के विरुद्ध कोई भी काम न करने पर

घ) अपने धर्म को श्रेश्ठ समझने पर

3) सभी धर्मों के प्रति समान भावना होने पर अपने धर्म के प्रति प्रेम बन जाता है –

क) सर्वश्रेश्ठ व परम शक्तिशाली

ख) अधिक सात्विक ज्ञानवान और निर्मल

ग) अलग–अलग रास्ते एक करनेवाला

घ) सबका कल्याण करनेवाला

4) बापू किस बात की कोषिष करते रहे ?

क) सभी लोग कम–से–कम दो धर्म ग्रंथ अवष्य पढ़ें

ख) देष में कोई धर्म हिंदू धर्म से श्रेश्ठ न हो

ग) ऐसा तत्त्व मिल जाए जिससे एक–दूसरे के प्रति सहिश्णुता आ जाए

घ) हिंदू धर्म ज्ञानमय, सात्विक और निर्मल हो जाए

5) बापू ने किसे सबके लिए एक पवित्र काम माना है ?

क) एक ही रास्ते पर चलना

ख) सभी धर्मों का आदरपूर्वक अध्ययन

ग) अपने–अपने धर्म को पवित्र मानना

घ) अपने धर्म का अच्छी तरह अध्ययन

प्र०3 निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर छाँटकर लिखिए :– (5)

इंद्र देवता कोटर में तोते से आकर यूँ बोले
'सब पक्षी उड़ गए यहाँ से तुमने पंख न खोले
रहने लायक हरे वृक्ष देखो कितने इस वन में ?
सूख गया वटवृक्ष गिरेगा, सोच रहे हो क्या मन में ?
तोता बोला, इंद्रदेव ! मैंने कोटर में जन्म लिया
वट के फल खाए, इसने मेरी रक्षा की, सम्मान किया
सुख–संपत्ति के साथी, बिपदा में करें किनारा
देवराज ! अब स्वयं बताओ, क्या कर्तव्य हमारा ?
इंद्र हुए खुष, बोले, प्रिय ! जो माँगो वह वरदान मिलें '
तोता बोला, देव! कृपा से हरा–भरा यह ठूँठ खिलें '
'तथास्तु' कहकर देवराज फिर दिए न कहीं दिखाई
हरा–भरा वट वृक्ष हुआ, फिर हरियाली लौट आई '
जननी–जन्मभूमि की खातिर कितना मन बलिदानीं
मन–प्राणों में जगी रहे, तोते की यह अमर कहानीं

1) इस काव्यांष के अनुसार कौन–सा वृक्ष सूख गया था ?

क) वट वृक्ष

ख) आम वृक्ष

ग) नीम वृक्ष

घ) पीपल वृक्ष

2) तोते ने कहाँ जन्म लिया था ?

क) नीम के वृक्ष के कोटर में

ख) वट के वृक्ष के कोटर में

ग) आम के वृक्ष के कोटर में

घ) पीपल के वृक्ष के कोटर में

3) तोता अपने कर्तव्य के बारे में किससे कहता है ?

क) देवराज से

ख) पृथ्वी से

ग) आकाष से

घ) प्रकृति से

4) इंद्रदेव ने खुष होकर क्या कहा ?

क) सोच रहे हो क्या मन में ?

ख) तुमने पंख न खोलें

ग) प्रिय ! जो माँगो वह वरदान मिलें

घ) मैंने कोटर में जन्म लिया

5) अंत में देवराज क्या कहकर दिखाई नहीं दिए ?

क) अस्तु

ख) खुष रहो

ग) वरदान माँगो

घ) तथास्तु

प्र०4 निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर छाँटकर लिखिए – (5)

मत काटो तुम ये पेड़
हैं ये लज्जावसन
इस माँ वसुंधरा के
इस संहार के बाद
अशोक की तरह
सचमुच बहुत पछताओगे
बोलो फिर किसकी गोद में
सिर छिपाओगे?
फिर कहाँ से पाओगे फूल ?
कहाँ से पाओगे फिर फल ?
कहाँ से मिलेगा
ष्स्य–ष्यामला को
सींचने वाला जल ?
रेगिस्तानों में
तब्दील हो जाएँगे खेत
बरसेंगे कहाँ से
उमड़–घुमड़कर बादल ?

थके हुए मुसाफिर
पाएँगे कहाँ से
श्रमहारी छाया ?

1) कवि ने छाया को श्रमहारी कहा क्योंकि–
   क) वह मज़दूरों को छाया देता है
   ख) पेड़ छाया देते हैं
   ग) छाया थकान मिटाती है
   घ) मुसाफिर रास्ते में रुकते हैं

2) पेड़ न रहने पर खेतों का क्या होगा ?
   क) खेत भी नहीं रहेंगे
   ख) खेतों की फ़सलें मिट जाएँगी
   ग) खेत रेगिस्तान बन जाएँगे
   घ) खेतों को बादल जल नहीं देंगे

3) अशोक की तरह पछताना होगा क्योंकि –
   क) समस्त पेड़ कट जाएँगे
   ख) अशोक एक निर्दयी राजा था
   ग) हम सिर नहीं छिपा पाएँगे
   घ) पेड़ों के लाभों से हमेशा के लिए वंचित हो जाएँगे

4) 'लज्जावसन' का अर्थ है –
   क) लाज ढकने के लिए वस्त्र
   ख) कटे–फटे वस्त्र
   ग) सुनहरे वस्त्र
   घ) जिन वस्त्रों के पहनने में लाज आए

5) पेड़ों के न रहने का परिणाम क्या होगा ?
   क) छाया, फल और जल पृथ्वी पर नहीं रहेंगे
   ख) छाया, फल और जल पृथ्वी पर बने रहेंगे
   ग) खेत, रेगिस्तान और छाया खत्म हो जाएँगे
   घ) रेगिस्तान खत्म हो जाएँगे

[kM & [k

प्र.3 निर्देषानुसार कीजिएः–

क) निम्नलिखित शब्दों का वर्ण–विच्छेद कीजिएः– (2)
संवेग, धर्म

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार का प्रयोग करके उन्हें पुनः लिखिएः– (1)
मयङ्क, कम्बल

ग) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर अनुनासिक का प्रयोग करके उन्हें पुनः लिखिएः– (1)
पूछ, साप

घ) निम्नलिखित शब्दों में उपयुक्त स्थानों पर नुक्ते का प्रयोग करके उन्हें पुनः लिखिएः– (1)
जमींदार, फौरन

ङ) निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्द और उपसर्ग अलग करके लिखिएः– (2)
अपषाकुन, संभ्रांत

च) निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्द और प्रत्यय अलग करके लिखिएः– (1)
मार्मिक, रंगीन

छ) संधि कीजिएः– (2)
सीमा+अंकन, सोम+ईष

ज) संधि विच्छेद कीजिएः– (2)
विद्यार्थी, सूर्योदय

झ) विराम चिह्न लगाइएः– (3)
1. अध्यक्ष महोदय अब हमारी भी बात सुनिए
2. उनके चार पुत्र राम लक्ष्मण भरत और षात्रुघ्न थे
3. क्या कोई तारे गिन सकता है

[kM x

प्र.4 निम्नलिखित प्रष्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिएः–
क. अखाड़े की मिटटी की विषेषता बताइए (2)
ख. तेनजिंग ने लेखिका की तारीफ में क्या कहा? (2)
ग. अतिथि कितने दिनों से लेखक के घर रह रहा था? (1)

प्र.5 फूल के ऊपर जो रेणु उसका शृंगार बनती है, वही धूल षिषु के मुँह पर उसकी सहज पार्थिवता को निखार देती हैं ' पंक्ति का आषय स्पश्ट कीजिएं (5)

अथवा

''अब तुम एक ऐसे संसार में वापस जाओगी, जो तुम्हारे अपने पीछे छोड़े हुए संसार से एकदम भिन्न होगा!'' यह कथन किसने, किससे कहा और क्यों? पाठ के आधार पर लिखिएं

प्र.6 निम्नलिखित में से किसी एक गद्यांष को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रष्नों के उत्तर दीजिए :–

गोधूलि पर कितने कवियों ने अपनी कलम नहीं तोड़ दी, लेकिन यह गोधूलि गाँव की अपनी संपत्ति है, जो षहरों के बाटे नहीं पड़तीं एक प्रसिद्ध पुस्तक विक्रेता के निमंत्रण–पत्र में गोधूलि की बेला में आने का आग्रह किया गया था, लेकिन षहर में धूल–धक्कड़ के होते हुए भी गोधूलि कहाँ? यह कविता की विडंबना थी और गाँवों में भी जिस धूलि को कवियों ने अमर किया है, वह हाथी–घोड़ों के पग–संचालन से उत्पन्न होने वाली धूल नहीं है, वरन गो–गोपालों के पदों की धूलि हैं

क) गोधूलि का क्या अर्थ है ? (1)

ख) गोधूलि की बेला में आने का आग्रह किसमें किया गया था ? (1)

ग) गोधूलि को कहाँ की संपत्ति माना गया है ? (1)

घ) गोधूलि षाहर में क्यों नहीं हो सकती? (2)

अथवा

दोपहर बाद मैंने अपने दल के दूसरे सदस्यों की मदद करने और अपने एक थरमस को जूस से और दूसरे को गरम चाय से भर कर नीचे जाने का निष्चय कियां मैंने बर्फ़ीली हवा में ही तंबू से बाहर कदम रखां जैसे ही मैं कैंप क्षेत्र से बाहर जा रही थी, मेरी मुलाकात मीनू से हुईं की और जय अभी कुछ पीछे थे मुझे जय जेनेवा स्पर की चोटी के ठीक नीचे मिलां उसने कृतज्ञतापूर्वक चाय पी लेकिन मुझे और नीचे जाने से रोकने की कोषिष कीं मगर मुझे की से भी मिलना थां थोड़ा–सा और आगे नीचे उतरने पर मैंने की को देखां वह मुझे देखकर हक्का–बक्का रह गयां

क) लेखिका किस उद्देष्य से नीचे की ओर गई? (2)

ख) लेखिका को जय कहाँ मिला? उसने लेखिका से क्या कहा? (2)

ग) कौन किसे देखकर हक्का–बक्का रह गया? (1)

प्र.7 निम्नलिखित में से कोई एक काव्यांष पढ़कर पूछे गए प्रष्नों के उत्तर लिखिए –

यां आदमी पै जान को वारे है आदमी
और आदमी पै तेग को मारे है आदमी
पगड़ी भी आदमी की उतारे है आदमी
चिल्ला के आदमी को पुकारे है आदमी
और सुनके दौड़ता है सो है वो भी आदमी

1) उपर्युक्त काव्यांष में किस मुहावरे का प्रयोग हुआ है ? (1)

2) 'आदमी पै जान वारने वाला आदमी' कौन होता है ? (1)

3) 'तेग' षब्द का क्या अर्थ है ? (1)

4) चिल्लाकर आदमी को आदमी कब पुकारता है ? (1)

5) आदमी आदमी की क्या उतारता है? (1)

अथवा

रहिमन देखि बड़ेन को, लघु न दीजिए डारिं
जहाँ काम आवे सुई कहा करे तलवारिं
रहिमन निज संपति बिना, कोउ न बिपति सहायं
बिनु पानी ज्यों जलज को, नहिं रवि सके बचायं

1) किसे देखकर और किसको अनदेखा नहीं करना चाहिए? (1)

2) कवि के अनुसार किसका महत्त्व अधिक है–आकार का या उपयोगिता का? (1)

3) जलज की संपत्ति किसे कहा गया है ? (1)

4) विपत्ति में कौन काम आता है ? (1)

5) 'जलज' और 'लघु' शब्दों के अर्थ लिखिएं (1)

प्र.8 'आदमीनामा' कविता में वर्णित आदमी के सकारात्मक रूपों का विस्तार से वर्णन करें (5)

अथवा

मोती, मनुश्य और चूने के संदर्भ में 'पानी' का महत्त्व स्पश्ट कीजिएं

प्र.9 मेरी रीढ़ की हड्डी में एक झुरझरी–सी दौड़ गई'– लेखक ने ऐसा किस घटना के संदर्भ में कहा था? विस्तार से लिखिएं (5)

अथवा

महादेवी वर्मा को गिल्लू किस अवस्था में मिला था? लेखिका ने उसका उपचार किस प्रकार किया?

[kM & ?k

प्र.10 दिए गए संकेतों के आधार पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखों (5)

क) 'साँच बराबर तप नहीं'

संकेत बिंदुः–

- सत्य की महत्ता
- सत्य का मार्ग काँटों से भरा
- गौरव का प्रतीक
- झूठ का क्षणिक अस्तित्व
- सच बोलने में ही कल्याण

ख) 'बढ़ती जनसंख्या : एक विकट समस्या'

संकेत बिंदुः–

- जनसंख्या में तीव्र गति से बढ़ोतरी
- खाद्य सामग्री की कमी
- आवास समस्या
- बेरोज़गारी में वृद्धि
- चिकित्सा व यातायात के साधनों की कमी
- उपसंहार

ग) 'टी 20 क्रिकेट '

संकेत बिंदुः–

- तात्पर्य व परिचय

- अन्य मैचों से भिन्नता
- क्रिकेट का रोमाँच
- भारत की उपलब्धियाँ

प्र.11 आपने नौवीं कक्षा में हिंदी भाशा का चुनाव किया हैं अपने मित्र को इस चुनाव का कारण बताते हुए पत्र लिखिएं (5)

अथवा

छोटे भाई/बहन को पत्र लिखकर इंटरनेट के प्रयोग से होने वाले लाभ और हानियों के बारे में बताइएं

प्र.12 दिए गए चित्र का वर्णन 20–30 ष्ाब्दों में कीजिएं (5)

प्र.13 पेड़ पर बने चिड़िया के घोंसले को देखकर भाई–बहन में होने वाले संवाद को लिखिए (5)

प्र.14 बाजार में आए एक नए मोबाइल फोन का विज्ञापन तैयार कीजिए (5)